## सार्वजनिक राजस्व के स्रोतों का वर्गीकरण (Classification of Sources of Public Revenue:

4.0 विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने सार्वजनिक राजस्व के स्रोतों को अलग-अलग तरीके से वर्गीकृत किया है। एक वैज्ञानिक वर्गीकरण हमें यह जानने में सक्षम करता है कि इन विभिन्न स्रोतों का एक दूसरे से क्या संबंध है और वे किन तरीकों से भिन्न हैं। विभिन्न अर्थशास्त्रियों के ने सार्वजनिक राजस्व के स्रोतों को अलग-अलग तरीके से वर्गीक्रत किया है जो निम्न्वत है-

**4.1.सेलिगमैन का वर्गीकरण**: सेलिगमैन सार्वजनिक राजस्व को तीन समूहों में वर्गीकृत करता है:

(i) आभारी राजस्व:

आभारी राजस्व में सभी राजस्व शामिल होते हैं जैसे उपहार, दान और सार्वजनिक अधिकारियों द्वारा प्राप्त अनुदान । वे पूरी तरह से एक स्वैच्छिक प्रकृति के हैं। ये कुल राजस्व में बहुत महत्वहीन हैं।

(ii) संविदात्मक राजस्व :

संविदात्मक राजस्व में उन सभी प्रकार के राजस्व शामिल होते हैं जो सार्वजनिक प्राधिकरण और लोगों के बीच संविदात्मक संबंधों से उत्पन्न होते हैं। फीस और कीमतें इस श्रेणी में आती हैं।

(iii) अनिवार्य राजस्व

अनिवार्य राजस्व में प्रशासन, न्याय और कराधान से राज्य द्वारा प्राप्त आय शामिल है। कर, जुर्माना और विशेष

मूल्यांकन अनिवार्य राजस्व के रूप में माना जाता है। ये राजस्व राज्य संप्रभुता के एक तत्व को व्यक्त करते हैं। यह आधुनिक समय में सार्वजनिक राजस्व का सबसे महत्वपूर्ण राजस्व है।

**4.2.डाल्टन का वर्गीकरण**:

डाल्टन, सार्वजनिक राजस्व का एक बहुत व्यवस्थित, व्यापक और शिक्षाप्रद वर्गीकरण प्रदान करते है। इस राय में, सार्वजनिक राजस्व के दो मुख्य स्रोत हैं - कर और कीमतें। करों का भुगतान अनिवार्य रूप से किया जाता है जबकि कीमतों का भुगतान व्यक्तियों द्वारा स्वेच्छा से किया जाता है, जो सार्वजनिक प्राधिकरण के साथ अनुबंध में प्रवेश करते हैं। इस प्रकार, कीमतें संविदात्मक भुगतान हैं।करों को सामान्य अर्थों में कर, श्रद्धांजलि और क्षतिपूर्ति,अनिवार्य ऋण और अपराधों के लिए आर्थिक दंड के रूप मे उप-विभाजित किया गया है।

डाल्टन ने कीमतों को उप-विभाजित किया गया है जिसमे सार्वजनिक संपत्ति से प्राप्तियां निष्क्रिय रूप से आयोजित की जाती हैं जैसे कि सार्वजनिक भूमि के किरायेदारों से प्राप्त किराए, प्रतियोगिता दर वसूलने वाले सार्वजनिक उद्यमों से प्राप्तियां, जन्म और मृत्यु पंजीकरण शुल्क, और स्वैच्छिक सार्वजनिक ऋण जैसे प्रशासन सेवाओं के प्रतिपादन के लिए शुल्क या भुगतान आदि शामिल है।

**4.3.टेलर का वर्गीकरण**:

टेलर द्वारा प्रदान किया गया सार्वजनिक राजस्व का वर्गीकरण सबसे तार्किक और वैज्ञानिक रूप से आधारित वर्गीकरण है।

वह सार्वजनिक राजस्व को चार श्रेणियों में विभाजित करता है:

(i) अनुदान और उपहार:

अनुदान सहायता वे साधन हैं जिनके द्वारा एक सरकार दूसरे को वित्तीय सहायता प्रदान करती है ताकि वह कुछ विशिष्ट कार्यों को कर सके, उदाहरण के लिए, केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को दिए गए शिक्षा और स्वास्थ्य अनुदान।

उपहार विशिष्ट उद्देश्यों के लिए व्यक्तियों या संस्थानों से स्वैच्छिक योगदान हैं। अनुदान और उपहार प्रकृति में स्वैच्छिक हैं ।

(ii) प्रशासनिक राजस्व:

इस समूह के तहत फीस, लाइसेंस, जुर्माना और विशेष आकलन शामिल हैं। इनमें से अधिकांश प्रकृति में स्वैच्छिक हैं और भुगतान करने वाले को मिलने वाले प्रत्यक्ष लाभ पर आधारित हैं। वे आम तौर पर सरकार के प्रशासनिक या नियंत्रण समारोह के उप-उत्पाद के रूप में उत्पन्न होते हैं।

(iii) वाणिज्यिक राजस्व:

ये सरकार द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के लिए भुगतान की गई कीमतों के माध्यम से प्राप्तियां हैं। इस समूह के तहत, डाक शुल्क, टोल, राज्य वित्तीय संस्थानों या राष्ट्रीयकृत बैंकों के ऋणों पर ब्याज, सार्वजनिक शिक्षण संस्थानों के शिक्षण शुल्क शामिल हैं।

(iv) कराधान -

कर आधुनिक सार्वजनिक वित्त में सार्वजनिक राजस्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। करों का वृहद-आर्थिक प्रभाव है। कराधान

आकार, खपत, उत्पादन के पैटर्न और आय और धन के वितरण को प्रभावित कर सकता है।